एम.ए.एचआई – 501

मास्टर ऑफ आर्टस् (हिस्ट्री)
प्रथम सेमेस्टर

# विश्व का इतिहास :
# 16वीं सदी के प्रारंभ से 1776 ईस्वी तक

## अध्ययन मण्डल

अध्यक्ष,
कुलपति,
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी
**अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम**
1. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
2. प्रोफेसर रामेश्वर प्रसाद बहुगुणा, इतिहास विभाग एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिआ इस्लामिय विश्वविद्यालय , दिल्ली
3. प्रोफेसर शरान सिंह नेगी , इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, एच.एन.बी. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय,गढ़वाल
4. प्रोफेसर बी.डी.एस. नेगी , इतिहास विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, एस.एस.जे. परिसर, अल्मोड़ा
5. डॉ. मदन मोहन जोशी, समन्वयक इतिहास विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

### पाठ्यक्रम समन्वयक

डॉ. मदन मोहन जोशी

### इकाई लेखन

इकाई एक-यूरोप में सामन्तवाद का पतन और पूंजीवाद का आरंभःनरोत्तम विनीत,दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली
इकाई दो-यूरोपीय पुनर्जागरणः नरोत्तम विनीत,दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली
इकाई तीन-भौगोलिक खोजें, औपनिवेशीकरण और दास-व्यापारः डॉ.रमा जैसवाल,डी-170,गामा 1ए, ग्रेटर नौएडा,उत्तर प्रदेश
इकाई चार -यूरोप में वाणिज्यवाद और व्यापारिक क्रांतिः डॉ.रमा जैसवाल,डी-170,गामा 1ए, ग्रेटर नौएडा,उत्तर प्रदेश
इकाई पांच -धर्म सुधार आन्दोलनःतबस्सुम निगार,इतिहास एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिया विश्वविद्यालय,दिल्ली
इकाई छह -वैज्ञानिक क्रांतिःशिखा पंवार,सेण्टर फॉर हिस्टोरिकल स्टडीज,जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,दिल्ली
इकाई सात -यूरोपीय निरंकुश राष्ट्रीय राज्यःडॉ.एस.बी.सिंह, एस.बी.पी.जी.कॉलेज,सलोन,रायबरेली,उत्तर प्रदेश
इकाई आठ -इंग्लैण्ड में संसदीय संस्थाओं का विकासः डॉ.रमा जैसवाल,डी-170,गामा 1ए, ग्रेटर नौएडा,उत्तर प्रदेश
इकाई नौ -प्रबोधनः डॉ. मदन मोहन जोशी, इतिहास विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
इकाई दस -अमेरिकी क्रान्ति एवं उसका महत्वः डॉ.सिराज मुहम्मद, इतिहास विभाग एम.बी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय,हल्द्वानी

### संपादन : डॉ मदन मोहन जोशी

### अनुवाद

आई.एस.बी.एन. :
कॉपीराइट : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
प्रकाशन वर्ष :
Published by : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल-263139
Printed at : सहारनपुर इलैक्ट्रिक प्रैस, बोमनजी रोड, सहारनपुर (उ०प्र०) **प्रतियाँ : 11**

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी अंश उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुन: प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

एम.ए.एचआई – 502

मास्टर ऑफ आर्टस् (हिस्ट्री)
प्रथम सेमेस्टर

# विश्व का इतिहास :
# 1789 ईस्वी से 1945 इस्वी तक

## अध्ययन मण्डल

अध्यक्ष,
कुलपति,
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी
अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम
1. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
2. प्रोफेसर रामेश्वर प्रसाद बहुगुणा, इतिहास विभाग एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिआ इस्लामिया विश्वविद्यालय , दिल्ली
3. प्रोफेसर शत्तन सिंह नेगी , इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, एच.एन.बी. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय,गढ़वाल
4. प्रोफेसर बी.डी.एस. नेगी , इतिहास विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, एस.एस.जे. परिसर, अल्मोड़ा
5. डॉ. मदन मोहन जोशी, समन्वयक इतिहास विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

पाठ्यक्रम समन्वयक

डॉ. मदन मोहन जोशी

इकाई लेखन

इकाई एक - फ्रान्सीसी क्रांति (1789-1815): डॉ. ज्योति साह, दीनदयाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीतापुर

इकाई दो - कृषि क्रांति एवं औद्योगिक क्रांति. डॉ. ज्योति साह,दीनदयाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीतापुर

इकाई तीन -इटली और जर्मनी का एकीकरण: डा. संतोष कुमार,इतिहास विभाग, एम.बी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय,हल्द्वानी

इकाई चार - साम्राज्यवाद और अफ्रीका का विभाजन:दीपक कुमार इतिहास एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिया विश्वविद्यालय दिल्ली

इकाई पाच -जापान का आधुनिक राज्य के रूप में उदय,जापानी साम्राज्यवाद का का प्रारंभ: दीपक कुमार इतिहास एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिया विश्वविद्यालय,दिल्ली

इकाई छह - प्रथम विश्वयुद्ध के कारण और परिणाम:डॉ. मनोज शर्मा, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली

इकाई सात - रूसी क्रांति,साम्यवाद,नई आर्थिक नीति, कृषि का सामुदायीकरण और नियोजित विकास:डॉ. किरन त्रिपाठी,गोकुलदास गर्ल्स कॉलेज, अगवानपुर, मुरादाबाद

इकाई आठ - प्रथम विश्व युद्ध:आर्थिक तथा सामाजिक प्रभाव,पेरिस संधि-1919: डॉ. मनोज शर्मा, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली

इकाई नौ - विश्वव्यापी आर्थिक मंदी: डॉ.धीरज कुमार, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली

इकाई दस - फासीवाद ,नाजीवाद,सैन्यवाद डॉ. मनोज शर्मा, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली

इकाई ग्यारह -द्वितीय विश्वयुद्ध: डॉ. मनोज शर्मा, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली

संपादन : डॉ मदन मोहन जोशी

अनुवाद

| | |
|---|---|
| आई.एस.बी.एन. | : |
| कॉपीराइट | : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय |
| प्रकाशन वर्ष | : |
| Published by | : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल-263139 |
| Printed at | : सहारनपुर इलैक्ट्रिक प्रैस, बोमनजी रोड, सहारनपुर (उ०प्र०) प्रतियाँ : 1138 |

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी अंश उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुन: प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

एम.ए.एचआई – 503

मास्टर ऑफ आर्टस् (हिस्ट्री)
प्रथम सेमेस्टर

# भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन : स्वतंत्रता के लिए संघर्ष

## अध्ययन मण्डल

अध्यक्ष,
कुलपति,
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम

1. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
2. प्रोफेसर राजेश्वर प्रसाद बहुगुणा, इतिहास विभाग एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिआ इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली
3. प्रोफेसर सन्तन सिंह नेगी, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, एच.एन.बी. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय,गढ़वाल
4. प्रोफेसर वी.डी.एस. नेगी, इतिहास विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, एस.एस.जे. परिसर, अल्मोड़ा
5. डॉ. मदन मोहन जोशी, समन्वयक इतिहास विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

---

### पाठ्यक्रम समन्वयक

डॉ. मदन मोहन जोशी

---

### इकाई लेखन- प्रोफेसर जी.एस. जैसवाल

| | |
|---|---|
| इकाई एक- | पुनर्जागरण एवं धर्मसुधार |
| इकाई दो- | पुनर्जागरण एवं समाजसुधार |
| इकाई तीन- | प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम 1857: भूमिका, प्रमुख नेता एवं कारण |
| इकाई चार- | प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम 1857: विस्तार, परिणाम, महत्व एवं प्रकृति |
| इकाई पांच- | आर्थिक राष्ट्रवाद का उदय एवं संवृद्धि |
| इकाई छह - | कांग्रेस पूर्व संगठनों का उदय एवं संवृद्धि |
| इकाई सात - | भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम चरण |
| इकाई आठ - | बंगाल विभाजन तथा स्वदेशी आन्दोलन |
| इकाई नौ - | क्रान्तिकारी चरमपंथ |
| इकाई दस - | प्रथम विश्वयुद्ध, रूसी क्रान्ति तथा भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन |
| इकाई ग्यारह - | होमरूल लीग, खिलाफ़त आन्दोलन तथा असहयोग आन्दोलन |
| इकाई बारह - | क्रान्तिकारी आन्दोलन - संवृद्धि, विचारधारा एवं उपलब्धियां |
| इकाई तेरह - | स्वराज्य पार्टी एवं साइमन कमीशन |
| इकाई चौदह - | सविनय अवज्ञा आन्दोलन, नमक सत्याग्रह एवं गोलमेज़ सम्मेलन |
| इकाई पन्द्रह - | प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस, व्यक्तिगत सत्याग्रह एवं भारत छोड़ो आन्दोलन |
| 1. इकाई सोलह- | वेवेल योजना तथा शिमला सम्मेलन |

---

### संपादन : डॉ मदन मोहन जोशी

---

### अनुवाद

---


आई.एस.बी.एन. :

कॉपीराइट : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रकाशन वर्ष :

Published by : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल-263139

Printed at : सहारनपुर इलैक्ट्रिक प्रैस, बोमनजी रोड, सहारनपुर (उ०प्र०) प्रतियाँ : 1138



सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी अंश उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

एम.ए.एचआई – 504

मास्टर ऑफ आर्टस् (हिस्ट्री)
प्रथम सेमेस्टर

# भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन : राष्ट्र – निर्माण की भूमिका

## अध्ययन मण्डल

अध्यक्ष,
कुलपति,
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी

**अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम**

1. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
2. प्रोफेसर राकेश्वर प्रसाद बहुगुणा, इतिहास विभाग एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिआ इस्लामिय विश्वविद्यालय , दिल्ली
3. प्रोफेसर शत्रुघ्न सिंह नेगी , इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, एन.एन.बी. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय,गढ़वाल
4. प्रोफेसर जी.डी.एस. नेगी , इतिहास विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, एस.एस.जे. परिसर, अल्मोड़ा
5. डॉ. मदन मोहन जोशी, समन्वयक इतिहास विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

**पाठ्यक्रम समन्वयक**

**डॉ. मदन मोहन जोशी**

**इकाई लेखन- प्रोफेसर जी.एम. जेसवाल**

इकाई एक- कैबिनेट मिशन एवं अन्तरिम सरकार

इकाई दो- आईएनए तथा रॉयल नेवी विद्रोह

इकाई तीन - देशी राज्यों में आन्दोलन

इकाई चार- माउण्टबैटन योजना, भारत का विभाजन तथा परिणाम

इकाई पाच- राष्ट्रीय आन्दोलन के काल में किसान एवं जनजातियां

इकाई छह- भारत में समाजवादी विचारों का विकास

इकाई सात- भारत में साम्प्रदायिकता का विकास

इकाई आठ- राष्ट्रीय आन्दोलन में प्रवासी भारतीयों की भूमिका

इकाई नौ- राष्ट्रीय आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका

इकाई दस- राष्ट्रीय आन्दोलन में प्रेस (समाचार पत्रों की भूमिका)

इकाई ग्यारह- भारत में संवैधानिक विकास (1861, 1909, 1919 तथा 1935 के अधिनियम)

इकाई बारह- भारत में ब्रिटिश शासन का प्रभाव

**संपादन : डॉ मदन मोहन जोशी**

**अनुवाद**

आई.एस.बी.एन. :

कॉपीराइट : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रकाशन वर्ष :

Published by : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल-263139

Printed at : सहारनपुर इलैक्ट्रिक प्रैस, बोमनजी रोड, सहारनपुर (उ०प्र०) प्रतियाँ : 1138

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी अंश उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुन: प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

एमएएचआई – 505

# मास्टर ऑफ आर्ट्स (हिस्ट्री)

## द्वितीय सेमेस्टर

# आधुनिक उत्तराखण्ड में समाज

## अध्ययन मण्डल

अध्यक्ष,

कुलपति,

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी

**अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम**

1. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

2. प्रोफेसर रामेश्वर प्रसाद बहुगुणा, इतिहास विभाग एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिआ इस्लामिय विश्वविद्यालय , दिल्ली

3. प्रोफेसर शन्तन सिंह नेगी , इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, एच.एन.बी. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय,गढ़वाल

4. प्रोफेसर वी.डी.एस. नेगी , इतिहास विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, एस.एस.जे. परिसर, अल्मोड़ा

5. डॉ. मदन मोहन जोशी, समन्वयक इतिहास विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

**पाठ्यक्रम समन्वयक**

**डॉ. मदन मोहन जोशी**

इकाई लेखन- डॉ. मदन मोहन जोशी, इतिहास विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

| | |
|---|---|
| इकाई एक- | उत्तराखण्ड की सामाजिक संरचना |
| इकाई दो- | उत्तराखण्ड में विवाह, परिवार, नातेदारी और स्त्रियों की प्रस्थिति |
| इकाई तीन- | उत्तराखण्ड में सामाजिक नियन्त्रण |
| इकाई चार- | उत्तराखण्ड में सामाजिक परिर्वतन और आधुनिकीकरण |
| इकाई पांच- | उत्तराखण्ड की सामाजिक समस्याऐं |
| इकाई छह- | उत्तराखण्ड का धार्मिक जीवन |
| इकाई सात- | उत्तराखण्ड:कला,साहित्य एवं संगीत |

आई.एस.बी.एन. :

कॉपीराइट : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रकाशन वर्ष : 2021

Published by : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल-263139

Printed at : Uttarayan Prakashan, Haldwani

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी अंश उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुन: प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

एमएएचआई – 506

# मास्टर ऑफ आर्ट्स (हिस्ट्री)

## द्वितीय सेमेस्टर

# आधुनिक उत्तराखण्ड में अर्थव्यवस्था

## अध्ययन मण्डल

**अध्यक्ष,**

कुलपति,

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी

**अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम**

1. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
2. प्रोफेसर रामेश्वर प्रसाद बहुगुणा, इतिहास विभाग एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिआ इस्लामिय विश्वविद्यालय , दिल्ली
3. प्रोफेसर शन्तन सिंह नेगी , इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, एच.एन.बी. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय,गढ़वाल
4. प्रोफेसर वी.डी.एस. नेगी , इतिहास विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, एस.एस.जे. परिसर, अल्मोड़ा
5. डॉ. मदन मोहन जोशी, समन्वयक इतिहास विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

**पाठ्यक्रम समन्वयक**

**डॉ. मदन मोहन जोशी**

**इकाई लेखन-** डॉ. अमितेन्द्र सिंह, अर्थशास्त्र विभाग, प. दीनदयाल उपाध्याय , राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ

| | |
|---|---|
| इकाई एक- | मानवीय संसाधन एवं जनसंख्या |
| इकाई दो- | गरीबी और बेरोजगारी |
| इकाई तीन - | क्षेत्रीय असमानता एवं जनजातीय विकास |
| इकाई चार - | प्राकृतिक संसाधन |
| इकाई पांच - | उत्तराखण्ड अर्थव्यवस्था की विशेषताएं |
| इकाई छह - | पर्यटन उद्योग एवं पर्यावरण |
| इकाई सात - | ग्रामोद्योग का विकास एवं प्रमुख समस्याएँ |
| इकाई आठ - | औद्योगिक संरचना एवं औद्योगिक नीति |


| | |
|---|---|
| आई.एस.बी.एन. | : |
| कॉपीराइट | : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय |
| प्रकाशन वर्ष | : 2021 |
| Published by | : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल-263139 |
| Printed at | : Uttarayan Prakashan,Haldwani |


सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी अंश उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुन: प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

एमएएचआई – 507

# मास्टर ऑफ आर्ट्स (हिस्ट्री)

## द्वितीय सेमेस्टर

# इतिहास लेखन: प्राचीन एवं मध्यकालीन

## अध्ययन मण्डल

अध्यक्ष,

कुलपति,

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी

**अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम**

1. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
2. प्रोफेसर रामेश्वर प्रसाद बहुगुणा, इतिहास विभाग एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिआ इस्लामिय विश्वविद्यालय , दिल्ली
3. प्रोफेसर शन्तन सिंह नेगी , इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, एच.एन.बी. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय,गढ़वाल
4. प्रोफेसर वी.डी.एस. नेगी , इतिहास विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, एस.एस.जे. परिसर, अल्मोड़ा
5. डॉ. मदन मोहन जोशी, समन्वयक इतिहास विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

**पाठ्यक्रम समन्वयक**

**डॉ. मदन मोहन जोशी**

**इकाई लेखन**

इकाई एक:इतिहास: अर्थ, महत्व एवं प्रकृति डॉ. रमा जैसवाल,डी- 170, गामा 1,ग्रेटर नोयडा, गौतम बुद्ध नगर

इकाई दो: इतिहास का विषय क्षेत्र,डॉ. रमा जैसवाल,डी- 170, गामा 1,ग्रेटर नोयडा, गौतम बुद्ध नगर

इकाई तीन:ऐतिहासिक व्याख्या: अर्थ, प्रकृति, सिद्धान्त, प्रकार एवं विशेषताएँ, डॉ. रमा जैसवाल,डी- 170, गामा 1,ग्रेटर नोयडा, गौतम बुद्ध नगर

इकाई चार: इतिहास में पूर्वाग्रह या झुकाव तथा वस्तुपरकता की समस्या,डॉ.तबस्सुम निगार, इतिहास एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, विवि. दिल्ल

इकाई पांच : इतिहास की पुराण परंपरा, डॉ. मोना राठौड़, देवसंसंस्कृजिविश्वविद्यालय, हरिद्वार

इकाई छह : भारतमें जीवनी साहित्य का विकास, डॉ. सिराज मोहम्मद, एम.बी.पी.जी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हल्द्वानी

इकाई सात : प्राचीन इतिहास लेखन: हेरोडोटस, थ्यूसीडाइड्स डॉ. नूतन सिंह,,इतिहास विभाग, वाई.डी. कालेज, लखीमपुर, उत्तर प्रदेश

इकाई आठ : मध्यकालीन चर्च और इतिहास लेखन: टेर्सीटस, सन्त ऑगस्टाइन, डॉ. नूतन सिंह,,इतिहास विभाग, वाई.डी. कालेज, लखीमपुर, उत्तर प्रदेश

इकाई नौ : इस्लामी परंपराऐं और इब्न खाल्दून, मध्यकालीन भारतीय इतिहास लेखन: कल्हण,,बरनी,अबुल फजल, बदायूंनी,, डॉ. नूतन सिंह,,इतिहास विभाग, वाई.डी कालेज, लखीमपुर, उत्तर प्रदेश


| | |
|---|---|
| आई.एस.बी.एन. | : |
| कॉपीराइट | : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय |
| प्रकाशन वर्ष | : 2021 |
| Published by | : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल-263139 |
| Printed at | : Uttarayan Prakashan, Haldwani |


सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी अंश उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा वि अन्य साधन से पुन: प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

एमएएचआई – 508

# मास्टर ऑफ आर्ट्स (हिस्ट्री)

## द्वितीय सेमेस्टर

# इतिहास लेखन: आधुनिक

## अध्ययन मण्डल

अध्यक्ष,

कुलपति,

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी

**अध्ययन मण्डल के सदस्यों के नाम**

1. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
2. प्रोफेसर रामेश्वर प्रसाद बहुगुणा, इतिहास विभाग एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिल्लिआ इस्लामिय विश्वविद्यालय , दिल्ली
3. प्रोफेसर शन्तन सिह नेगी , इतिहास एव पुरातत्व विभाग, एच.एन.बी. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय,गढ़वाल
4. प्रोफेसर वी.डी.एस. नेगी , इतिहास विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, एस.एस.जे. परिसर, अल्मोड़ा
5. डॉ. मदन मोहन जोशी, समन्वयक इतिहास विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

**पाठ्यक्रम समन्वयक**

**डॉ. मदन मोहन जोशी**

**इकाई लेखन**

इकाई एक आधुनिक इतिहास लेखन-आदर्शवादी दृष्टिकोण डॉ. रमा जैसवाल,डी- 170, गामा 1,ग्रेटर नोयडा, गौतम बुद्ध नगर

इकाई दो :आधुनिक इतिहास लेखन- प्रत्यक्षवाद डॉ. रमा जैसवाल,डी- 170, गामा 1,ग्रेटर नोयडा, गौतम बुद्ध नगर

इकाई तीन:आधुनिक इतिहास लेखन- मार्क्सवाद डॉ. तनवीर,हुसैन,इतिहास विभाग,फैज-ए-आम कालेज,शाहजहांपुर

इकाई चार : आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन: औपनिवेशिक इतिहासकार, डॉ. सिराज मुहम्मद, इतिहासविभाग, एम.बी.पी.जी. महाविद्यालय, हल्द्वानी

इकाई पाच : आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन: राष्ट्रवादी इतिहासकार डॉ. तनवीर,हुसैन,इतिहास विभाग,फैज-ए-आम कालेज,शाहजहांपुर

इकाई छह : भारत में मार्क्सवादी, सबल्टर्न इतिहास लेखन डॉ. तनवीर,हुसैन,इतिहास विभाग,फैज-ए-आम कालेज,शाहजहांपुर

इकाई सात :इतिहास का दर्शन: ओसवाल्ड स्पैंग्लरडॉ. रमा जैसवाल,डी- 170, गामा 1,ग्रेटर नोयडा, गौतम बुद्ध नगर

इकाई आठ : इतिहास का दर्शन: आरनोल्ड जे0 टॉयनबी, डॉ. रमा जैसवाल,डी- 170, गामा 1,ग्रेटर नोयडा, गौतम बुद्ध नगर

इकाई नौ :इतिहास का दर्शन: जोहन गोटफ्राइड हर्डर, डॉ. रमा जैसवाल,डी- 170, गामा 1,ग्रेटर नोयडा, गौतम बुद्ध नगर

इकाई दस:इतिहास एवं अन्य सम्बद्ध विषय डॉ. मोना राठौड, इतिहास विभाग, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार

इकाई ग्यारह : इतिहास के स्रोत डॉ. रमा जैसवाल,डी- 170, गामा 1,ग्रेटर नोयडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश

इकाई बारह : मौखिक इतिहास, डॉ. विकासरंजन कुमार, इतिहास विभाग, राज. स्नातस्कोत्तर महाविद्यालय, बाजपुर

आई.एस.बी.एन. :

कॉपीराइट : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रकाशन वर्ष :2021

Published by : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल-263139

Printed at : Uttarayan Prakashan, Haldwani

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी अंश उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा कि अन्य साधन से पुन: प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।